कक्षा - नवमी	पाठ- सवैये
विषय-हिंदी	द्वारा-किरण दासे

प्रश्न 1. ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?

उत्तर- कवि कृष्ण और उनसे जुड़ी चीजों से इतना अधिक प्रेम करते हैं कि वो उनके लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने को भी तैयार हैं। उनमें से एक कृष्ण की जन्मभूमि ब्रज भी है। जहाँ कवि इस जन्म में ही नहीं बल्कि अगले जन्म में भी रहना चाहते हैं। भले ही अगला जन्म उन्हें मनुष्य ,पशु-पक्षी या पत्थर का मिले । यानि चाहे उन्हें कोई भी रूप मिले , वो ब्रजभूमि में ही रहना चाहते हैं ।

प्रश्न 2. कवि का ब्रज के वन , बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण हैं ?

उत्तर- कवि मानते हैं कि श्री कृष्ण कभी इन वनों में गायें चराया करते थे। कभी इन बागों व तालाबों में गोपियों व ग्वालों संग रास रचाया करते थे।इनके साथ कृष्ण की यादें जुडी हैं, इसलिए कवि ब्रजभूमि के वन , बाग और तालाब को निहार कर उन सब चीजों को अपनी कल्पना में संजो कर आनंदित महसूस करते हैं।

प्रश्न 3. एक लकुटी और कामरिया पर कवि सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है ?

उत्तर- रसखान जी श्रीकृष्ण के परम भक्त थे। इसीलिए उन्हें अपने आराध्य की हर चीज़ इतनी मूल्यवान लगती थी कि उसके आगे उन्हें तीनों लोकों का सुख , आठ सिद्धियाँ और नौ निधियाँ भी महत्वहीन नजर आती थीं । उस लाठी और कंबल को तो स्वयं श्रीकृष्ण ने धारण किया था। भगवान के द्वारा धारण की गई वस्तुओं का मूल्य भक्त के लिए परम सुखकारी होता है, इसीलिए रसखान लाठी और कंबल पर अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार थे।

प्रश्न 4. सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था ? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

उत्तर- भगवान श्रीकृष्ण अपने सिर पर मोर पंख , गले में गुंजों की माला व शरीर में पीतांबर (पीला वस्त्र) धारण करते हैं। और उनके हाथों में सदा बाँसुरी विराजमान रहती है। सखी ने गोपी से श्रीकृष्ण का ठीक यही रूप धारण करने का आग्रह किया।

प्रश्न 5. आपके विचार से कवि पशु , पक्षी और पहाड़ के रूप में भी कृष्ण का सान्निध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है ?

उत्तर- रसखानजी श्री कृष्ण के अनन्य भक्त थे। इसीलिए वो सदा किसी भी रूप में उनके सान्निध्य में रहकर उनकी भक्ति करना चाहते थे और श्रीकृष्ण के प्रेम का आनंद उठाना चाहते थे।इसलिए वे पशु,पक्षी या पहाड़ बनकर भी श्रीकृष्ण का संपर्क चाहते हैं|

प्रश्न 6. चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने आप को क्यों विवश पाती हैं ?

उत्तर- चौथे सवैये के अनुसार श्रीकृष्ण का रूप अत्यंत मोहक तथा उनकी मुरली की धुन बड़ी मादक है | इन दोनों से बचना गोपियों के लिए अत्यंत कठिन है | गोपियाँ श्रीकृष्ण को देखकर अपनी सुध-बुध खो बैठती हैं।और सारी लोकलाज व मर्यादाओं को त्याग कर कृष्ण की तरफ खींची चली जाती हैं। यानि श्रीकृष्ण की मुरली की सुरीली धुन , रूप सौंदर्य व मोहक मुस्कान के आगे गोपियाँ अपने आप को विवश पाती हैं।

प्रश्न 7. भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।

उत्तर- रसखान जी कहते हैं कि मैं ब्रज की इन कँटीली झाड़ियों के ऊपर करोड़ों सोने के महल न्यौछावर करने को भी तैयार हूँ। क्योंकि इन कँटीली झाड़ियों के पास से होकर कभी कृष्ण गुजरे होंगे या कभी उन्होंने इनको छुआ होगा। इसीलिए ये मुझे अतिप्रिय हैं।अर्थात जो सुख ब्रज के प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने में है वह सुख सांसारिक वस्तुओं को निहारने में दूर-दूर तक नहीं है |

(ख) माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै , न जैहै , न जैहै।

उत्तर - उपरोक्त पंक्तियों में गोपियाँ कहती हैं कि कृष्ण की मुस्कान इतनी मनमोहक हैं कि वो उसे देखकर अपने वश में नहीं रहती हैं। और सारी मर्यादाओं को तोड़ कर कृष्ण की तरफ खींची चली जाती हैं। यानि गोपियाँ कृष्ण की मोहक मुस्कान को देखकर अपने आप को सँभाल नहीं पाती हैं।

प्रश्न 8. 'कालिंदी कुल कदंब की डारन' में कौन-सा अलंकार है ?

उत्तर- उपरोक्त पंक्तियों में अनुप्रास अलंकार है। क्योंकि "क" वर्ण की आवृत्ति बार-बार हो रही हैं ।

प्रश्न 9. काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।

उत्तर- गोपी अपनी सखी के कहने पर श्रीकृष्ण के समान वस्त्राभूषण तो धारण कर लेंगी परन्तु श्रीकृष्ण की मुरली को अधरों पर नहीं रखेंगी | उपरोक्त पक्तियाँ सवैया शैली में हैं जिनमें ब्रज भाषा का प्रयोग किया गया है जिससे काव्य की छटा निराली हो गई है |'म' और 'ध' वर्ण की आवृत्ति होने के कारण इसमें अनुप्रास अलंकार है ।वहीँ 'अधरान 'अर्थात होठों या अधरों पर 'अधरा न' अर्थात होठों या अधरों पर नहीं , के कारण यहाँ यमक अलंकार है|

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वयं लिखने का प्रयास करें |

1.सवैया छंद क्या होता है ?
2.कवि किस गिरि का पाहन बनना चाहते हैं ?
3.खग बनकर कवि कहाँ बसेरा करना चाहते हैं ?
4.गोवर्धन पर्वत को श्रीकृष्ण ने अपनी उँगली पर क्यों उठाया था ?
5.'स्वाँग' करने का क्या आशय है ?
6.नंद की गाय चराने के लिए कवि कौन-कौन सा सुख त्याग देना चाहते हैं ?
7.गोपी कानों में उँगली क्यों देना चाहती है ?
8.रसखान का ब्रजभूमि के प्रति विशेष प्रेम हमें क्या संदेश देता है ?

.....X.....